NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th
Subject : हिंदी
Chapter : 16
Chapter Name : नौबत खाने में इबादत

Q1 शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है?
Answer.
मशहूर शहनाई वादक 'बिस्मिल्लाह खान' का जन्म डुमराँव गांव में हुआ था। शहनाई बजाने के लिए रीड का प्रयोग होता है। जो अंदर से पीली होती है जिसके सहारे शहनाई को फूंका जाता है। रीड नरकुट एक प्रकार की घास से बनाई जाती है जो डुमराँव में मुख्यतः सोन नदी के किनारे पाई जाती है।

Page :- 122 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q2 बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?
Answer.
शहनाई मुख्यतः मांगलिक अवसरों पर बजाया जाता है। कहां जाता है कि मंगल ध्वनि पैदा करने वाला यंत्र है। इसी मंगल ध्वनि की साधना बिस्मिल्लाह खान पूरी लगन से करते थे। उनके लिए संगीत एक आराधना है। बिस्मिल्लाह खान अस्सी वर्ष की उम्र में भी पांच वक्त की नमाज इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च कर देते थे।

Page :- 122 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

aglasem.com

Q3 सुषिर-वाद्यों से क्या अभिप्राय है? शहनाई को 'सुषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि क्यों दी गई होगी?
Answer.
अरब देशों में फूंक कर बजाए जाने वाले वाद्य जिसमें नाड़ी (नरकट या रीड) होती है उसे 'सुषिर वाद्य' कहते हैं। शहनाई को भी फूंक कर बजाया जाता है। वह मंगल का परिवेश प्रतिष्ठित करने वाला वाद्य है। इसी कारण उसे सुशीर वाद्य में शाह की उपाधि दी गई है।

Page :- 122 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q4 आशय स्पष्ट कीजिए -
(क) 'फटा सुर न बख्शें। लुंगिया का क्या है, आज फटी है, तो कल सी जाएगी।'
(ख) 'मेरे मालिक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ।'
Answer.
(क) यहां बिस्मिल्लाह खाने सुर तथा कपड़े में तुलना कर सुर को अधिक मूल्यवान बताया है। पहनावे से कोई काबिल नहीं बनता। कपड़ा यदि एक बार फट जाए तो दोबारा सिल देने से ठीक हो सकता है परंतु किसी का फटा हुआ सुर कभी ठीक नहीं हो सकता। व्यक्ति अपनी शान शौकत से नहीं अपितु अपने गुण

से पहचाना जाता है। वह प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उन्हें अच्छा कपड़ा दे या ना दे लेकिन अच्छा सुर अवश्य दे।
(ख) बिस्मिल्लाह खान अपनी 80 वर्ष की उम्र में भी पांच वक्त की नमाज पढ़ते हुए और सच्चे सुर की प्रार्थना करते थे। वे खुदा से कहते थे उन्हें सच्चा सुर दे उस सुर में इतनी ताकत हो की उसे सुनने वालों की आंखों से सच्चे मोती की तरह आंसू निकल जाए। यही उनके सुर की कामयाबी होगी।

Page :- 122 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q5 काशी में हो रहे कौन-से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे?
Answer.
काशी में हो रहे परिवर्तन बिस्मिल्लाह खान को व्यतीत करते थे। काशी से बहुत सी परंपराएं लुप्त हो गए हैं। संगीत, साहित्य और अदब की परंपरा में धीरे-धीरे कमी आ गई है। अब काशी से धर्म की प्रतिष्ठा भी लुप्त होती जा रही है। वहां हिंदू और मुसलमानों में पहले जैसा भाईचारा नहीं है। वहां से मलाई बर्फ बेचने वाले भी जा चुके हैं। अब संगीतयों के लिए गायको के मन में कोई आधार नहीं रहा।

Page :- 122 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q6 पाठ में आए किन प्रसंगों के आधर पर आप कह सकते हैं कि -
(क) बिस्मिल्ला खाँ मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे।
(ख) वे वास्तविक अर्थों में एक सच्चे इनसान थे।

Answer.
(क) बिस्मिल्ला खां मिली-जुली संस्कृति की प्रतीक थे। मुस्लिम धर्म के प्रति उनकी सच्चाई आस्था थी परंतु वह हिंदू धर्म का भी सम्मान करते थे। वे मुसलमान होते हुए भी संकटमोचन मंदिर में किए जाने वाले 5 दिनों के संगीत आयोजन में अवश्य रहते थे। मुहर्रम के महीने में आठवीं तारीख के दिन खान साहब खड़े होकर शहनाई बजाते थे। वे कहते थे कि वे काशी छोड़कर कहां जाएं गंगा मैया, यही बाबा विश्वनाथ, यहां बालाजी का मंदिर भी यहां। मरते दम तक न यह शहनाई छूटेगी ना काशी।
(ख) बिस्मिल्लाह खान एक सच्चे इंसान थे। वे धर्मों से अधिक मानवता का महत्व देते थे। हिंदू तथा मुसलमान धर्म दोनों का ही सम्मान करते थे। भारत रत्न से सम्मानित होने पर भी उनमें घमंड नहीं था। दौलत से अधिक सुर उनके लिए जरूरी था।

Page :- 122 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q7 बिस्मिल्ला खाँ के जीवन उन घटनाओं और व्यक्तियों का उल्लेख करें जिन्होंने उनकी संगीत साधना को समृद्ध किया।
Answer.
बिस्मिल्लाह खान के जीवन में कुछ ऐसे व्यक्ति और कुछ ऐसी घटनाएं थी जिन्होंने उनकी संगीत साधना को प्रेरित किया।
*सर्वप्रथम उनका परिवार - उनका जन्म संगीत प्रेमी परिवार में हुआ।

aglasem.com

*बिस्मिल्लाह खान जब सिर्फ 4 वर्ष के थे तब चुपकर अपने नाना को शहनाई बजाते हुए सुनते थे। रियाज़ के बाद जब उनके नाना उठ कर चले जाते तब अपनी नाना वाली शहनाई ढूंढते थे और उन्हीं की तरह शहनाई बजाना चाहते थे।
*बालाजी मंदिर तक जाने का रास्ता रसूलनबाई और बतूलन बाई के यहां से होकर जाता था। इसी रास्ते से कभी ठुमरी, कभी टप्पे, कभी दादरा की आवाजें आती थी। इन्हीं गायिका बहनों को सुनकर उन्हें प्रेरणा मिली।
*बचपन में भी बालाजी मंदिर पर रोज शहनाई बजाते थे। इससे शहनाई बजाने की उनकी कला दिन-प्रतिदिन निखरने लगी।

Page :- 122 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q8 बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया?
Answer.
बिस्मिल्लाह खान के व्यक्तित्व की निम्नलिखित विशेषताओं ने हमें प्रभावित किया:-ईश्वर के प्रति उनके मन में अगाध भक्ति थी।हिंदू मुसलमान एकता को कायम रखना।भारत रत्न मिलने के बाद भी घमंड नहीं करना।वे एक सीधे-साधे तथा सच्चे इंसान थे।उनमें संगीत के प्रति सच्ची लगन तथा सच्चा प्रेम था।वे अपनी मातृभूमि से सच्चा प्रेम करते थे।

Page :- 122 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q9 मुहर्रम से बिस्मिल्ला खाँ के जुड़ाव को अपने शब्दों में लिखिए।
Answer.
मुहर्रम के महीने में शिया मुसलमान शोक मनाते थे। इसलिए पूरे 10 दिनों तक उनके खानदान का कोई व्यक्ति ना तो मुहर्रम के दिनों में शहनाई बजाता और ना ही संगीत के किसी कार्यक्रम में भाग लेते थे। आठवीं तारीख खान साहब के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होती थी इस दिन खान साहब खड़े होकर शहनाई बजाते और दाल मंडी से फातमान के करीब 8 किलोमीटर की दूरी तक पैदल रोते हुए नोहा बजाते हुए जाते थे। इन दिनों कोई राग नहीं बचता था उनकी आंखें इमाम हुसैन और उनके परिवार के लोगों की शहादत में नम रहती थी।

Page :- 122 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q10 बिस्मिल्ला खाँ कला के अनन्य उपासक थे, तर्क सहित उत्तर दीजिए।
Answer.
बिस्मिल्लाह खान भारत के सर्वश्रेष्ठ शहनाई वादक थे। वे अत्यंत लग्नपूर्वक शहनाई का रियाज़ करते थे इसके लिए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। 90 वर्ष की उम्र में भी उन्होंने शहनाई बजाना नहीं छोड़ा। यहां तक कि वे पांचों वक्त की नमाज में भी खुदा से सच्चा सुर मांगते थे। उनमें संगीत सीखने की इच्छा कभी खत्म नहीं हुई। खान साहब ने कभी भी धन दौलत को पाने की इच्छा नहीं की बल्कि उन्होंने संगीत को ही सर्वश्रेष्ठ माना। कला के प्रति गहरी निष्ठा थी। इन सबसे साबित होता है कि वह कला के अनन्य उपासक थे।

aglasem.com

Page :- 122, Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q11 निम्नलिखित मिश्र वाक्यों के उपवाक्य छाँटकर भेद भीलिखिए -
(क) यह ज़रुर है कि शहनाई और डुमराँव एक-दूसरे के लिए उपयोगी हैं।
(ख) रीड अंदर से पोली होती है जिसके सहारे शहनाई को फूँका जाता है।
(ग) रीड नरकट से बनाई जाती है जो डुमराँव में मुख्यत: सोन नदी के किनारों पर पाई जाती है।
(घ) उनको यकीन है, कभी खुदा यूँ ही उन पर मेहरबान होगा।
(ङ) हिरन अपनी ही महक से परेशान पूरे जंगल में उस वरदान को खोजता है जिसकी गमक उसी में समाई है।
(च) खाँ साहब की सबसे बड़ी देन हमें यही है कि पूरे अस्सी बरस उन्होंने संगीत को संपूर्णता व एकाधिकार से सीखने की जिजीविषा को अपने भीतर जिंदा रखा।
Answer.
(क) शहनाई और डुमराँव एक दूसरे के लिए उपयोगी है।
संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(ख) जिसके सहारे शहनाई को फूंका जाता है।
विशेषण आश्रित उपवाक्य
(ग) जो डुमराँव में मुख्यतः सोम नदी के किनारे पर पाई जाती है।
विशेषण आश्रित उपवाक्य
(घ) कभी खुदा यूं ही उन पर मेहरबान।
संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(ङ) जिसकी गमक उसी में समाई है।
विशेषण आश्रित उपवाक्य
(च) पूरे अस्सी बरस उन्होंने संगीत की संपूर्णता वह एकाधिकार से सीखने की जिजीविषा को अपने भीतर जिंदा रखा।
संज्ञा आश्रित उपवाक्य

aglasem.com

Page :- 122 , Block Name :- भाषा अध्ययन

Q12 निम्नलिखित वाक्यों को मिश्रित वाक्यों में बदलिए--
(क) इसी बाल सुलभ हँसी में कई यादें बंद हैं।
(ख) काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्भुतपरंपरा है।
(ग) धत्! पगली ई भारतरत्न हमको शहनईया पे मिला है,लुंगिया पे नाहीं।
(घ) काशी का नायाब हीरा हमेशा से दो कौमों को एकहोकर आपस में भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा।
Answer.
(क) यह वही बालसुलभ हँसी है जिसमें कई यादें बंद हैं।
(ख) काशी में संगीत का आयोजन होता है जो कि एकप्राचीन एवं अद्भुत परंपरा है।
(ग) धत्! पगली ई भारतरत्न हमको लुंगिया पे नाहीं,शहनईया पे मिला है, ।

(घ) यह जो काशी का नायाब हीरा है वह हमेशा से दोकौमों को एक होकर आपस में भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा।

Page :- 123 , Block Name :- भाषा अध्ययन

aglasem.com